दिनांक 15.01.2020
प्रेस विज्ञप्ति 17/20

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश

<u>वामा सारथी, उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के गीत (**Anthem**) का लोकार्पण समारोह सम्पन्न</u>

वामा सारथी गीत का लोकार्पण समारोह
VAAMA SAARTHI
मुख्य अतिथि

वामा सारथी
यू पी पुलिस परिवार कल्याण संघ
नवरस
नृत्य नाटिका

आज दिनांक 15–01–2020 को श्री ओ0पी0 सिंह, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 तथा अध्यक्षा श्रीमती नीलम सिंह, वामा सारथी द्वारा मुख्य अतिथि श्रीमती आनंदीबेन पटेल मा0 राज्यपाल, उ0प्र0 का मुख्यालय 112, गोमतीनगर विस्तार के आडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में स्वागत किया गया। इस अवसर पर मा0 राज्यपाल महोदया, विशेष अतिथि पद्म भूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 एवं वामा सारथी अध्यक्षा द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। वामा सारथी अध्यक्षा द्वारा मा0 राज्यपाल महोदया को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मा0 राज्यपाल महोदया, पुलिस महानिदेशक एवं अध्यक्षा वामा सारथी द्वारा पद्म भूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

मा0राज्यपाल महोदया द्वारा वामा सारथी, उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के गीत (Anthem) का शुभारम्भ किया गया। पद्म भूषण पंडित छन्नूलाल मिश्र को इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

वामा सारथी, उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों एवं पुलिस परिवार द्वारा जीवन के विभिन्न मनोभाव को प्रदर्शित करती हुई काव्यात्मक नृत्य प्रस्तुति– जीवन के नवरस एवं पंचतत्व नृत्य नाटिका का भी आयोजन किया गया।

मा0 राज्यपाल महोदया द्वारा ओवरआल एचिवर मेधावी बालिकाओं एवं नृत्य नाटिका प्रस्तुत करने वाले कलाकारों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

श्री ओ0पी0 सिंह, पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित मा0 राज्यपाल महोदया, पद्म भूषण पं0 छन्नू लाल मिश्र, अध्यक्षा वामा सारथी एवं उपस्थित सम्मानित अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार कल्याण समिति, वामा सारथी गीत के शुभारम्भ के लिए वामा सारथी के प्रत्येक सदस्य को बधाई देते हुए अपने उद्बोधन में कहाकिः–

वामा सारथी द्वारा पुलिस परिवार का सहारा बनने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए जिस प्रकार अथक प्रयास किया गया है, इसके लिए भी वे सभी प्रशंसा की पात्र हैं।

पिछले 02 वर्षो से पुलिस परिवार की बेहतरी के लिए हमनें बहुत कुछ महत्वपूर्ण कार्य किये हैं, जिनमें से एक CGHS दरों पर चिकित्सा सुविधायें प्रदान करना तथा

दूसरी आवश्यक वस्तुओं को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने हेतु सब्सिडियरी कैन्टीनों का शुभारम्भ। आज पूरे प्रदेश के 36 जनपदों के लगभग 250 अस्पतालों से पुलिस परिवार चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर रहा है। 52 जनपदीय पुलिस लाईनों में सब्सिडियरी पुलिस कैन्टीनों का शुभारम्भ किया गया है। शीघ्र ही अन्य जनपदों में भी ये व्यवस्थायें लागू होंगी। पुलिस कर्मियों के कर्तव्य पालन के दौरान होने वाले परेशानियों को भी हल करने का प्रयास किया गया है। आवासीय व्यवस्था हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार इस वर्ष 2000 करोड़ रूपये के कार्य कराये जा रहे हैं, शीघ्र ही सभी को आवास की उपलब्धता के लक्ष्य को भी हम पूरा करने जा रहे हैं।

कर्तव्यपालन के दौरान आंशिक या पूर्ण अपंगता की स्थिति में 10 लाख से 20 लाख रूपये तक की अनुग्रह राशि प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। 'कोमा' की स्थिति में असाधारण पेंशन प्रदान करने के मामले में हम पूरे भारत में एकमात्र राज्य हैं, जहॉ इस स्थिति में हम पुलिस परिवार के साथ खडे होते हैं। इसके अलावा हम वामा सारथी के माध्यम से सीधे पुलिस परिवारों से जुड़कर उनके उन्नयन का प्रयास कर रहे हैं।

विगत दो वर्षो में मैने पाया है कि समिति पहले परिवार कल्याण केन्द्र के रूप में पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनकी शिक्षा के लिए प्रयत्नशील था। वही अब व्यवस्थित संगठन के रूप में परिवार के आर्थिक विकास के साथ उनके शारीरिक व मानसिक जागरूकता के लिए बेहतर रूप से काम कर रहा है। समिति अब पुलिस भवन के परिसर से बाहर निकल कर गॉवों व स्कूलों में भी जागरूकता के लिए सफल प्रयास कर रही है।

वामा सारथी सिविल सोसाइटी को समानता का रास्ता दिखाती है। कंधे से कंधा मिलाकर समरसता के भाव से समाज का समग्र विकास कैसे हो, इसका उदाहरण है, वामा सारथी। यह नजरिया है, जीवन को सही रूप देने का।

नारी सशक्तीकरण का वास्तविक तात्पर्य अपने अन्दर की सुन्दरता को अपने हुनर से समाज को सशक्त बनाना है। महिला अबला नहीं हैं, प्रत्येक में अनेक शक्तियां मौजूद हैं, जरूरत है, वे अपनी शक्ति को पहचानें, उसे साधें। यहीं वास्तविक शक्ति साधना है। शक्ति साधना विद्रोह नहीं है, बल्कि अपने हुनर को पहचानना है। पिछले कई वर्षो से वामा सारथी की सदस्य अपने इन्हीं हुनर से पुलिस परिवार को मजबूती प्रदान कर रही हैं।

सर्वोदय के उद्‌देश्य को लेकर वामा सारथी द्वारा जिस तरह से गॉवों, सड़कों एवं स्कूलों में जागरूकता की अलख जगाई गयी है, इसके लिए मैं इसके प्रत्येक सदस्य को बधाई व शुभकामनायें देता हूॅ।

आदरणीय राज्यपाल महोदया की इस अवसर पर उपस्थिति हमारे लिए विशेष प्रेरणा स्त्रोत है। महिलाओं के उत्थान के लिए आपके द्वारा स्वयं अथक प्रयास किये गये हैं। महिलाओं के उत्थान अभियान के लिए 'धरती विकास मण्डल' द्वारा विशेष सम्मान तथा 'वीर बाला पुरस्कार' सहित अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। यह हमारे लिए गौरव का क्षण है, पुलिस परिवार के लिए आपका योगदान अनुकरणीय है। पद्मभूषण पं0 छन्नूलाल जी की इस अवसर पर उपस्थिति वामा सारथी गीत के शुभारम्भ के लिए ऐतिहासिक क्षण है। मेरा विश्वास है कि वामा सारथी गीत, उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार
को एक सूत्र में बांधने वाला गान बनेगा। गीत का शुभारम्भ एक सोच को व्यस्थित रूप से आगे ले जाने की शुरूआत है। इस शुरूआत के लिए मैं वामा सारथी परिवार के सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनायें देता हूॅ।

श्रीमती नीलम सिंह, अध्यक्षा वामा सारथी द्वारा इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा गया किः–

वामा सारथी, उ0प्र0 पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन पिछले कई वर्षो से उ0प्र0 पुलिस के सभी कर्मचारियों और उनके परिजनों के कल्याण के लिये लगातार कार्य कर रही है। इसे और बेहतर व व्यवस्थित करने के विचार से इस एसोसिएशन को 06 नवम्बर, 2018 को पंजीकृत कराया गया है। **'वामा सारथी'** ऐसी स्त्री को प्रदर्शित करता है, जो अपने प्रयासो से अपने परिवार की बेहतरी के लिए सारथी के रूप में कार्य करती है। हमारे एसोसिएशन की सभी महिलायें अपनी पूरी क्षमता से अपने परिवार के लिये एक खुशहाल वातावरण बनाती है।

वामा सारथी का मुख्य उद्देश्य पुलिस परिवार की महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन कर उनके सम्पूर्ण विकास में सहभागी बनना है। पिछले एक वर्ष में संस्था द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करते हुए वृक्षारोपण, योग दिवस, ग्राम सेवा, प्रिंसिपल कांफ्रेस, कैरियर कांउसलिंग और हेल्थ कार्निवाल, स्वच्छता कार्यशाला, पद–जागरूकता यात्रा, समर कैम्प तथा महिला सुरक्षा जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया है। गत वर्ष हमने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया है, जिससे पुलिस परिवार के बच्चों का समग्र विकास हो सकें।

महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए स्कूलों एवं कालेजों में वामा सारथी के सदस्यों द्वारा लगातार व्याख्यानों द्वारा छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया। मेरा मानना है कि परिवार में महिलाएॅ मजबूती से आगे आकर स्वतंत्र रूप से निर्णय लें एवं स्वावलम्बी बने। इसके लिये उनमें जागरूकता एवं स्वाभिमान का भाव जरूरी है।

वामा सारथी गीत हमारे सम्पूर्ण उद्देश्य को पूरा करने में हमें प्रेरित करेगा। यह हमें एक सूत्र में बांधकर, गर्व की अनुभूति कराता है। यह गीत उ0प्र0 पुलिस परिवार के समग्र विकास में एक नयी ऊर्जा का संचार करेगा।

''अभी तो इस बाज की असली उड़ान बाकी है,

अभी तो इस परिंदे का इम्तिहान बाकी है।

अभी–अभी हमने लांघा है समुंदरों को,

अभी तो पूरा आसमान बाकी है।''

मा0 राज्यपाल महोदया द्वारा इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहाकिः–

आज का अवसर कितना सुन्दर है, इसका मूल्याकंन आप इसी बात से कर सकते हैं कि आज भारतीय संस्कृति के महास्तम्भ पं0 छन्नू लाल मिश्रा जैसे तपस्वी का सानिध्य प्राप्त हो रहा है। जिन्होंने 6–7 दशकों तक लम्बी साधना की है, और कला के ईश्वरीय स्वरूप को हम सभी के लिये सजीव किया है–उनके मध्य का ये क्षण हम सभी के लिये अद्‌भुत और अविस्मरणीय है। न जाने कितने लोगों ने आपकी उपस्थिति मात्र से ही जीवन–शिक्षा प्राप्त की होगी, और आज यह परम सौभाग्य हम सभी को मिला रहा है। आपके व्यक्तित्व की सरलता में छिपी विशालता से हमें अपने–अपने कार्य क्षेत्रों के प्रति और अधिक समर्पित होने का संदेश मिल रहा है।

ऐसी विभूति के समक्ष आज उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन ''वामा सारथी'' के गीत का शुभारम्भ हुआ है, उसके लिये मैं पूरे पुलिस परिवार को बधाई देती हूॅ। इस गीत को अति सुन्दर ढंग से लिखा तथा यही गीत 'वामा सारथी' की परम्परा एवं सेवाभाव का वाहक होगा और भविष्य की चुनौतियों को पूर्ण करने की ऊर्जा सतत् प्रदान करता रहेगा।

उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है और इसे परिपूर्ण करने हेतु सभी नागरिकों, निजी एवं सार्वजनिक संस्थाओं तथा स्वैच्छिक संगठनों को जनसहभागिता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। अध्यक्षा श्रीमती नीलम सिंह जी के कु ाल नेतृत्व और उनकी समर्पित टीम के अथक योगदान से ''वामा सारथी'' इस भूमिका को एक उदाहरण के रूप में निभा रही है। जैसा कि आज बताया गया है कि ''वामा सारथी'' का अर्थ ऐसी स्त्री से है–शक्ति के ऐसे स्वरूप से है–जो अपने परिवार की उन्नति के लिये सारथी के रूप में कार्य करती है। एक सारथी का सही दिशा दिखाने और अपने कर्तव्य धर्म को निभाने में कितना बड़ा योगदान होता है इसका सबसे बड़ा उदाहरण भगवान श्रीकृष्ण यानी 'पार्थसारथी' हैं और ऐसी ही भावना से आपकी संस्था कार्य कर रही है।

वामा सारथी जिन क्षेत्रों में कार्य कर रही है यह वही क्षेत्र है जो हमारे राष्ट्र व राष्ट्र विकास के लिये अत्यंत आवश्यक है। वामा सारथी द्वारा महिला एवं बाल स्वास्थ्य कैम्प का आयोजन, महिला सुरक्षा के लिये स्कूल कालेजों में व्याख्यान श्रृंखला, पुलिस परिसरों में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, विद्यार्थियों के लिये कैरियर काउंसलिंग तथा कैरियर कार्निवाल, 'महिला गृह उद्योग' से हस्तशिल्प एवं उद्यमिता (entrepreneurship) का प्रोत्साहन, व्यावसायिक प्रशिक्षण, पुलिस परिवार के दिव्यांग बच्चे और वीर विधवाओं का कल्याण एवं पुर्नवास, पारिवारिक मतभेद का काउंसलिंग के माध्यम से सौहार्दपूर्ण समाधान, ग्रामीण अभ्युदय, बच्चों के लिये समर कैम्प तथा समय–समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन।

मुझे विश्वास है कि आपने सकारात्मकता और स्वालम्बन का जो दीप जलाया है, उसकी आभा पुलिस परिवार के सदस्यों को आत्मविश्वास, लक्ष्य निर्धारण और बेहतर नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगी।

आज जिन बच्चों ने और महिला आरक्षियों ने नव रस की सुन्दर प्रस्तुती की है, उन सभी को मेरी बधाई एवं शुभकामनाएॅ। मैं सभी अभिभावकों से अनुरोध करूॅगी कि अपने बच्चों की रूचियों में ध्यान रखते हुये उन्हें प्रोत्साहित करें।

उन्होंने कहा कि एसिड अटैक पर बना नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दिल को छूने वाली प्रस्तुति है, जिसे प्रत्येक जनपद में जाकर किया जाना चाहिये, जिससे सामाजिक चेतना जागृत हो सके। समाज की कुरीतियों, एसिड अटैक, दहेज प्रथा, बाल विवाह आदि पर रोक लगाने के लिये हमे जागरूक होना होगा तथा लोगो को जागरूक करते हुये कार्यवाही करनी होगी। वामा सारथी टीम को कहती हॅू कि जहां–जहां पर पुलिस परिवार है, वहां जाकर सभी का हीमोग्लोबिन चेक करायें, इनमें जो लड़कियां एनमिक निकले, उनके लिये वामा सारथी टीम द्वारा कार्य किया जाय, ताकि वह इससे बाहर निकलने में सक्षम हो सके।